Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जर्मनी ने इटली और जापान के साथ त्रिपक्षीय संधि की-

(अ) सितम्बर 1939 में (ब) सितम्बर 1941 में
(स) सितम्बर 1942 में (द) सितम्बर 1940 में

2. जर्मनी ने मित्र राष्ट्रों के सामने समर्पण कब किया?

(अ) जुलाई 1945 (ब) अप्रैल 1945
(स) जून 1945 (द) मई 1945

3. द्वितीय विश्व युद्ध में तटस्थ यूरोपीय देश—

(अ) स्वीडन (ब) स्पेन
(स) स्विट्जरलैंड (द) सभी विकल्प सही हैं

4. नात्सीवाद की नस्ली सोच किसके विचारों पर आधारित थी?

(अ) स्तालिन ब) लेनिन
(स) कार्ल मार्क्स (द) चार्ल्स डार्विन

5. जर्मनी के राष्ट्रपति हिंडन बर्ग ने हिटलर को जर्मनी का चांसलर का पद-भार संभालने का न्यौता कब दिया?

(अ) 30 जनवरी 1933 को (ब) 30 जनवरी 1930 को
(स) 30 जनवरी 1931 को (द) 30 जनवरी 1932 को

6. जर्मनी में वाइमर गणराज्य के हिमायतियों को क्या कहकर पुकारा जाने लगा?

(अ) मानवता के अपराधी (ब) नात्सीवाद के अपराधी
(स) नवंबर के अपराधी (द) चर्च के अपराधी

7. हिटलर ने राईनलैंड पर दोबारा कब्जा कब किया?

(अ) सन् 1939 में (ब) सन् 1936 में
(स) सन् 1937 में (द) सन् 1938 में

8. ऑस्विज किसके लिए प्रसिद्ध था?

(अ) नाजी जर्मनी में यहूदियों के सामूहिक संहार के लिए
(ब) नाजी जर्मनी के दौरान बच्चों की शिक्षा का केन्द्र
(स) नाजी जर्मनी के दौरान युवाओं को सैनिक प्रशिक्षण देने के लिए
(द) इसमें से कोई नहीं

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नात्सीवादियों ने 70,000 जर्मन नागरिकों को भी मार डाला। वह जनसंख्या के किस समूह का प्रतिनिधत्व करते थे?

(अ) मानसिक व शारीरिक रूप से अपंग
(ब) काले नागरिक
(स) श्वेत नागरिक
(द) सरकार विरोधी

10. 30 जनवरी 1933 को हिटलर को चांसलर किसने बनाया?

(अ) सोवियत लाल सेना
(ब) राष्ट्रपति हिंडनबर्ग
(स) हैमलर शाख्त
(द) सम्राट केजर विलियम द्वितीय

रिक्त स्थान :

11. दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी द्वारा ____________ यहूदियों को मौत के घाट उतार दिया गया।

12. जर्मनी में प्रचलित मुद्रा का नाम ____________ था।

सत्य / असत्य

13. जर्मनी में वाइमर गणराज्य के हिमायतियों को नंवबर के अपराधी कहकर पुकारा जाने लगा था।

14. नात्सी विचारधारा का मुख्य आधार सभी समाजों को बराबरी का हक देना था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. इनेबलिंग एक्ट क्या था?

16. बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर जर्मनी में किस संगठन की स्थापना हुई?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. नात्सी सोच के खास पहलू कौन-से थे?

18. नात्सीवाद का प्रचार यहूदियों के विरुद्ध घृणा उत्पन्न करने में किस प्रकार प्रभावी सिद्ध हुआ?

निबंधात्मक प्रश्न

19. नात्सीवाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

20. नात्सीवाद की विजय के परिणामों को लिखिए।

HOTS

21. हिटलर का नस्ली श्रेष्ठता का सिद्धांत चार्ल्स डार्विन और हरबर्ट स्पेंसर के वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित था। स्पष्ट कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-3 | नात्सीवाद और हिटलर का उदय

Worksheet-1 उत्तरमाला

1. (द) सितम्बर 1940 में इस संधि से अंतराष्ट्रीय समुदाय में हिटलर का दावा मजबूत हो गया।

2. (द) सन् 1945 के अप्रैल-मई में सोवियत और पोलैंड की सेनाओं ने बर्लिन पर क़ब्ज़ा कर लिया और यूरोप में दूसरे विश्वयुद्ध का अन्त 8 मई 1945 को हुआ तब जर्मनी ने बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया।

3. (द) द्वितीय विश्व युद्ध में यूरोप के अधिकतर राष्ट्रों ने युद्ध में भाग लिया परन्तु स्वीडन, स्विट्जरलैंड तथा स्पेन तटस्थ बने रहे। द्वितीय विश्व युद्ध में (1939-1945) दो गुट सम्मिलित थे। धुरी शक्तियाँ एवं मित्र राष्ट्र। परन्तु स्वीडन, स्विट्जरलैंड तथा स्पेन तटस्थ बने रहे।

4. (द) नात्सीवाद की नस्ली सोच चार्ल्स डार्विन के सिद्धांत पर आधारित थी। नस्लवादी विचारकों और राजनेताओं ने पराजित समाजों पर अपने साम्राज्यवादी शासन को सही ठहराने के लिए डार्विन के विचारों का सहारा लिया।

5. (अ) 30 जनवरी 1933 को यह मंत्रिमंडल का सबसे शक्तिशाली पद था।

6. (स) वाइमर गणराज्य के हिमायतियों में मुख्य रूप से समाजवादी, कैथोलिक और डेमोक्रैट खेमे के लोग थे। "नवंबर के अपराधी" कहकर इनका मजाक उड़ाया गया।

7. (ब) राइनलैंड दोबारा जर्मनी के नियंत्रण में आ गया। विदेश नीति के मोर्चे पर हिटलर को कामयाबियाँ मिली। 1936 में राइनलैंड पर दोबारा कब्जा करने के बाद हिटलर ने एक जन, एक साम्राज्य, और एक नेता के नारे की आड़ में 1938 में ऑस्ट्रिया को जर्मनी में मिला लिया।

8. (अ) नाजी जर्मनी में यहूदियों के सामूहिक संहार के लिए।

9. (अ) अवांछित लोगों के समूह में जर्मनी मूल के मानसिक व शारीरिक रूप से अपंग। इतनी बड़ी तादाद में लोगों को मारने के लिए कत्लखाने बनाए गए।

10. (ब) राष्ट्रपति हिंडनबर्ग।

11. **रिक्त स्थान :** 60 लाख

12. **रिक्त स्थान :** मार्क

13. **सत्य / असत्य :** सत्य

14. **सत्य / असत्य :** असत्य

15. 3 मार्च, 1933 को जर्मन संसद द्वारा पारित ऐक्ट को इनेबलिंग ऐक्ट अथवा प्रसिद्ध विशेषाधिकार अधिनियम के नाम से जाना जाता है। इस ऐक्ट के द्वारा जर्मनी में तानाशाही की स्थापना की गई।

16. स्पार्टकिस्ट लीग।

17.

i. आर्य (जर्मन) विश्व की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है, उसे अपनी शुद्धता बनाए रखनी है।

ii. नासियों का मानना था कि श्रेष्ठ जाति (जर्मन) जीवित रहेगी तथा हीन (यहूदी) को नष्ट होना पड़ेगा।

iii. नात्सी विचारधारा में हिटलर को सभी विपत्तियों का नाश करने वाले एक मसीहा के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

iv. नात्सीवाद साम्यवाद तथा लोकतंत्र का घोर विरोधी था।

v. हिटलर का मत था कि साम्यवादी विचारधारा जर्मनी की प्रगति में बाधक है।

18. नात्सीवाद का प्रचार यहूदियों के विरुद्ध घृणा उत्पन्न करने में निम्नलिखित कारणों से प्रभावी सिद्ध हुआ —

i. नात्सियों ने यहूदी लोगों को घटिया शारीरिक रचना वाले लोग तथा अवांछित वर्ग का दर्जा दिया।

ii. नात्सियों ने यहूदी लोगों को ईसा मसीह का हत्यारा बताया है।

iii. उनके विचार में धर्म परिवर्तन मात्र से ही यहूदियों की समस्या से नहीं निपटा जा सकता, इसका समाधान पूर्णतया समाप्ति है।

iv. यहूदियों के प्रति नफरत फैलाने के लिए प्रोपेगेन्डा फिल्मों का निर्माण किया गया। रूढ़िवादी यहूदियों की पहचान की गई एवं उन्हें चिन्हित किया गया। उन्हें उड़ती हुई दाढ़ी और कफ्तान पहने दिखाया जाता था।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें। 100% FREE! Video Courses | Quiz | PDF | Test Series Download Mission Gyan App

19. नात्सीवाद फासिज्म का जर्मन रूप तथा जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर की विचारधारा थी। यह विचारधारा सरकार और जनता के बीच नए रिश्ते के पक्ष में थी। नात्सी लोगों ने एडोल्फ हिटलर के नेतृत्व में नात्सीवाद के रूप में आधुनिक काल की सबसे बड़ी तानाशाही की थी। नात्सीवा शब्द 1921 ई. में हिटलर द्वारा स्थापित दल नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वकर्स पार्टी (National Socialist German Workers Party) के नाम से निकला है। इस इल को संक्षेप में नात्सी पार्टी कहा जाता है। चुनावों में विफलता के बावजूद जर्मनी के राष्ट्रपति ने 30 जनवरी, 1933 ई. में हिटलर को जर्मन का चांसलर नियुक्त कर दिया।

20. नाजीवाद जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर एक विचारधारा थी एवं एडोल्फ हिटलर को इसका संस्थापक माना जाता है। नाजीवाद का उद्देश्य राष्ट्रवाद को सर्वोच्चता प्रदान करना है।

नाजीवाद विजय के परिणाम:

i. जर्मनी में हिटलर के नेतृत्व में नात्सी पार्टी की तानाशाही स्थापित हो गई। इससे वहाँ आतंकवाद छा गया तथा नात्सी विरोधी नेताओं की बड़े पैमाने पर हत्या कर दी गई।

ii. जर्मनी की कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। समाजवादियों व साम्यवादियों का भी विरोध किया गया।

iii. जर्मनी में सैन्यकरण का कार्य बड़े पैमाने पर शुरू किया गया तथा युद्ध की तैयारियाँ बड़े जोर-शोर से शुरू की गई।

iv. जर्मनी में उन सभी साहित्यों को जला दिया गया जिसमें उदारवाद, समाजवाद व लोकतंत्र के विचारों की प्रशंसा की गई थी।

v. हिटलर व नात्सी पार्टी का उत्थान द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रमुख कारण बना।

21. हिटलर का नस्ली श्रेष्ट्ता का सिद्धांत:

i. नात्सी विचारधारा के अनुसार इस विश्व में सभी समाजों को बराबरी का हक नहीं था, वे नस्ली आधार पर या तो बेहतर थे या बदतर। इस नज़रिये में ब्लॉड, नीली आँखों वाले, नार्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपरी और यहूदी सबसे निचले पायदान पर आते थे। अन्य सभी समाजों को उनके बाहरी रंग-रूप के हिसाब से जर्मन आर्यों और यहूदियों के बीच में रखा गया था।

ii. हिटलर की यह नस्ली सोच चार्ल्स डार्विन और हरबर्ट स्पेंसर जैसे विचारकों के सिद्धांतो पर आधारित थी। डार्विन प्रकृति विज्ञानी थे जिन्होंने विकास और प्राकृतिक चयन की अवधारणा के जरिए पौधों और पशुओं की उत्पत्ति को व्याख्या का प्रयास किया था।

iii. हरबर्ट स्पेंसर ने अति जीविता का सिद्धांत (सरवाइवल आफ द फ़िटेस्ट) जो सबसे योग्य है, वह प्रजातियाँ जो खुद को बदलती हुई वातावरणीय परिस्थितयों के अनुसार ढाल सकती है वही पृथ्वी पर जिन्दा रहती है। यहाँ हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि डार्विन के चयन के सिद्धांत (जीव-जंतुओं में जनन की क्षमता के कारण आबादी में वृद्धि होती है।) चार्ल्स डार्विन ने प्राकृतिक चयन के सिद्धांत को महत्व दिया को एक विशुद्ध प्रक्रिया कहा गया था और उसमें इंसानी हस्तक्षेप की वकालत कभी नहीं की गई।

iv. नस्लवादी विचारकों और राजनेताओं ने पराजित समाजों पर अपने साम्राज्यवादी शासन को सही ठहराने के लिए डार्विन के विचारों का सहारा लिया। नात्सियों की दलील बहुत सरल थी: जो नस्ल सबसे ताकतवर है वह जिंदा रहेगी; कमजोर नस्लें खत्म हो जाएँगी। आर्य नस्ल सर्वश्रेष्ठ है उसे अपनी शुद्धता बनाए रखनी है, ताकत हासिल करनी है और दुनिया पर वर्चस्व कायम करना है। हिटलर की विचारधारा का दूसरा पहलू जीवन-परिधि की भू-राजनीतिक अवधारणा से संबंधित था।

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App